Roll No. : ..... Total Pages : 4

3381-P

B.A. IIIrd Year (Private) Examination, 2017

HINDI LITERATURE

Paper – I

(काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-(अ)

(इकाई–I)

1. (i) कबीरदास किस काव्यधारा के अग्रणी कवि हैं?

(ii) 'लौकिक प्रणय कहानियों से अलौकिक प्रेम अभिव्यंजना' किस भक्ति साहित्य की प्रमुख विशेषता है?

(इकाई–II)

(iii) 'साहित्य लहरी' किसकी रचना है?

(iv) 'या लकुटि अरु कामरिया पर, राज तिहुँ पुर को तजि डारौं।' किस कवि की प्रसिद्ध काव्य पंक्तियाँ हैं?

(इकाई–III)

(v) मीराबाई का वैवाहिक सम्बन्ध किस राजघराने से माना जाता है?

(vi) 'ढोला मारूरा दूहा' किस शैली में लिखी गई है?

(इकाई–IV)

(vii) 'नहुष' काव्य के रचयिता कौन हैं?

(viii) नहुष काव्य में किस पात्र को इन्द्राणी कहा गया है?

(इकाई–V)

(ix) माधुर्य एवं साख्य भाव की उपासना किस भक्ति काव्य-धारा की विशेषता है?

(x) 'सरदार पटेल लौहपुरुष थे' वाक्य में कौन-सी शब्द-शक्ति है?

खण्ड-(ब)

(इकाई–I)

2. निम्नांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

चलन चलन सब कोई कहत है, ना जानौ बैकुंठ कहाँ है।
जोजन एक परमिति नहीं जानैं, बातनी बैकुंठ बखाने।।
जब लग मनि बैकुंठ का आशा, तब लग नहिं चरन निवासा।
कहैं सुनें कैसे पतिआइये, जब लग तहाँ आप नहीं जइयै।।
कहै कबीर यहु कहिए काहि, साथ संगति बैकुंठहि आहि।।

3. जायसी की प्रेम संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–II)

4. निम्नांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी भाट,
चाकर, चपलनट, चोर, चार, चेटकी।
पेट को पढ़त, गुन गढ़त, चढ़तगिरि,
अटत गहन-गन, अहन अरवेट की।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
''तुलसी'' बुझाई एक राम घनश्याम ही ते,
आदि बड़वागितें बड़ी है आगि पेट की।।

5. ''रसखान रस की खान है।'' तार्किक समीक्षा कीजिए।

(इकाई–III)

6. सुन्दरदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. 'ढोला मारूरा दूहा' में चित्रित मारवाणी के विरहवर्णन का चित्रण कीजिए।

(इकाई–IV)

8. निम्नांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मानता हूँ और सब, हार नहीं मानता,
अपनी अगति नहीं, आज भी मैं जानता।
आज मेरा भुक्तोज्झित हो गया है स्वर्ग भी,
ले के दिखा दूँगा कल मैं ही अपवर्ग भी।

9. 'नहुष' काव्य के प्रमुख स्त्री पात्रों का परिचय दीजिए।

(इकाई–V)

10. भक्तिकालीन विविध काव्यधाराओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

11. लक्षणा एवं व्यंजना शब्दशक्ति में निहित अंतर को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-(स)

किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(इकाई–I)

12. सिद्ध कीजिए कि कबीर कवि होने के साथ-साथ एक सच्चे समाज-सुधारक थे।

(इकाई–II)

13. "बाल स्वभाव के चित्रण में सूर बेजोड़े कवि हैं।" कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

(इकाई–III)

14. मीराबाई की भक्तिभावना और प्रेम साधना की सम्यक् समीक्षा कीजिए।

(इकाई–IV)

15. 'नहुष' काव्य की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–V)

16. भक्ति आन्दोलन के उदय के प्रमुख कारणों की तार्किक व्याख्या कीजिए।